Indian School Al Wadi Al Kabir
MID TERM EXAM
Subject- Hindi (Course B)

Class: X | Max Marks: 40
DATE-30.09.21 | Time - 1.5 Hours

## GENERAL INSTRUCTIONS :

General Instructions:

This Question Paper contains Multiple Choice Questions.
The Paper consists of 40 Questions.
There are three sections- खंड-क - अपठित गद्यांश खंड-ख - व्यावहारिक व्याकरण खंड-ग - पाठ्य पुस्तक
All Questions are compulsory.
Choose only ONE Answer from the options given below each question.
Each Question carries ONE Mark

### खंड-क ( अपठित गद्यांश ) 10 अंक

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए:-**

पशु को बाँधकर रखना पड़ता है, क्योंकि वह निरंकुश है, चाहे जहाँ-तहाँ चला जाता है, इधर-उधर मुँह मार देता है। क्या मनुष्य को भी इसी प्रकार दूसरों का बंधन स्वीकार करना चाहिए? क्या इससे उसमें मनुष्यत्व रह पाएगा? पशु के गले की रज्जू को एक हाथ में पकड़कर और दूसरे हाथ में एक लकड़ी लेकर उसे जहाँ चाहो, हाँककर ले जाओ। जिन लोगों को इसी प्रकार हाँके जाने का स्वभाव पड़ गया है, जिन्हें कोई भी जिधर चाहे ले जा सकता है, लगा सकता है, उन्हें भी पशु ही कहा जाएगा। पशु को चाहे जितना मारो, चाहे जितना उसका अपमान करो, बाद में खाने को दे दो, वह पूँछ और कान हिलाने लगेगा। ऐसे नर-पशु भी बहुत से मिलेंगे जो कुचल जाने और अपमानित होने पर भी ज़रा-सी वस्तु मिलने पर चट संतुष्ट और प्रसन्न हो जाते हैं। कुत्ते को कितना ही ताड़ना देने के बाद उसके सामने एक टुकड़ा डाल दो, वह झट से मार-पीट को भूलकर उसे खाने लगेगा। यदि हम भी ऐसे ही हैं तो हम कौन हैं, इसे स्पष्ट कहने की आवश्यकता नहीं। पशुओं में भी कई पशु मार-पीट और अपमान को नहीं सहते। वे कई दिन तक निराहार रहते हैं। कई पशुओं ने तो प्राण त्याग दिए, ऐसा सुना जाता है। पर इस प्रकार के पशु मनुष्य-कोटि के हैं, उनमें मनुष्यत्व का समावेश है, यदि ऐसा कहा जाए तो कोई अत्युक्ति न होगी।

(1). पशु को क्यों बाँधकर रखा जाता है?

(i)क्योंकि वह भोला-भाला होता है।

(ii)कहीं नहीं जाता।

(iii)इधर-उधर मुँह मार देता है।

(iv)उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

(2). किन स्थितियों में मनुष्य में 'मनुष्यत्व' नहीं रहता है?

(i)दूसरों की गुलामी करके पेट भरने में मनुष्य का मनुष्यत्व नहीं रहता।
(ii)अपनी इच्छा से जीने वाले मनुष्य का मनुष्यत्व नहीं रहता।
(iii)जो सम्मान के साथ जीता है, उस मनुष्य का मनुष्यत्व नहीं रहता।
(iv)उपर्युक्त में से कोई नहीं।

(3). लेखक ने नर-पशुओं की क्या विशेषताएँ बताई हैं?

(i)जो कभी भी चाहे, जहाँ-तहाँ चला जाता है।
(ii)जो लोभ के कारण अपमान सह लेता है, फिर भी प्रसन्न रहता है।
(iii)जो जानवरों की तरह भोजन करता है।
(iv)जिसमें मनुष्यत्व का समावेश है।

(4). लेखक ने किस प्रकार के पशु को मनुष्य-कोटि में रखा है?

(i)अपमान की रोटी को ठुकराने वाले पशु को मनुष्य-कोटि में रखा है।
(ii)जहाँ चाहो, वहाँ हाँककर ले जाने वाले पशु को मनुष्य-कोटि में रखा है।
(iii)जिसके गले में रस्सी हो, उस पशु को मनुष्य-कोटि में रखा है।
(iv)उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

(5). निम्नलिखित में से सर्वाधिक उपयुक्त शीर्षक का चयन कीजिए : -

(i)बंधन
(ii)निराहार व्यक्ति
(iii)निरंकुश पशु
(iv)सच्ची मनुष्यता

**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर दीजिए:-**

महान वैज्ञानिक आइज़क न्यूटन अत्यंत विनम्र स्वभाव के थे। उनकी मान्यता थी कि अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में की गई हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन जाती है। कहा जाता है कि एक बार न्यूटन बहुत बीमार पड़े। अंतिम घड़ी निकट थी। उनके एक नज़दीकी मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए कहा, "आपके लिए यह संतोष और गर्व की बात है कि आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर करने में बड़ी रुचि ली और उन्हें बड़े निकट से जानकर उजागर किया।"

सुनकर न्यूटन बोले, "संसार मेरे अनुसंधानों के बारे में कुछ भी कहे, लेकिन मुझे प्रतीत होता है कि मैं समुद्र-तट पर खेलने वाले उस बच्चे के समान हूँ, जिसको कभी-कभी अपने साथियों की अपेक्षा कुछ अधिक सुंदर पत्थर, सीप व शंख मिल जाते हैं। वास्तविकता तो यह है कि सत्य का अथाह समुद्र मेरे सामने अब भी बिन खोजा पड़ा है।"

(6)न्यूटन के मित्र ने उन्हें तसल्ली देते हुए क्या कहा था?

(i) आप अत्यंत विनम्र स्वभाव के हैं।
(ii)आपका अहंकार मनुष्यता को खा गया।
(iii)हमारी प्रगति भी हमारे लिए अभिशाप बन गई।
(iv)आपने प्रकृति के रहस्यों को उजागर किया।

(7)न्यूटन को स्वयं अपने विषय में क्या प्रतीत होता था?

(i)उन्हें अपने साथियों की अपेक्षा कम चीज़ें मिलीं।
(ii)उन्हें सुंदर पत्थर, सीप व शंख नहीं मिलते।
(iii)वे समुद्र-तट पर खेलने वाले बच्चे के समान हैं।
(iv)वे कभी बीमार नहीं पड़ेंगे।

(8) न्यूटन के अनुसार वास्तविकता क्या है?

(i)सत्य की नदी बहती जा रही है।
(ii)सत्य का अथाह सागर अब भी बिन खोजा पड़ा है।
(iii)हमें सुंदर पत्थर, सीप व शंख इकट्ठे करने चाहिए।
(iv)जीवन में अत्यंत विनम्र होना आवश्यक है।

(9) अहंकार किसका सर्वनाश करता है?

(i)अहंकार हमारी मनुष्यता को खा जाता है।
(ii)हमारी प्रगति को वरदान बना देता है।
(iii)केवल अंतिम घड़ी में संतोष और गर्व का नाश करता है।
(iv)उपर्युक्त सभी कथन सही हैं।

(10)उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक होगा -

(i)अनुसंधान
(ii)प्रकृति
(iii)प्रगति
(iv)आईज़क न्यूटन की विनम्रता

## खंड-ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16 अंक

(11). रेखांकित पदबंध का भेद है -

**<u>उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ</u> में शिक्षा का प्रसार बहुत अधिक है।**

(i)क्रिया पदबंध ii) संज्ञा पदबंध
(iii)विशेषण पदबंध iv) सर्वनाम पदबंध

(12) क्रिया-विशेषण पदबंध का उदाहरण है -

ऋषि कपूर ने सभी फ़िल्मों में बड़े उत्साहपूर्वक काम किया ।

(i)बड़े उत्साहपूर्वक
(ii)काम किया
(iii)ऋषि कपूर ने सभी फिल्मों
(iv)बड़े उत्साहपूर्वक काम किया

(13) रेखांकित पदबंध का भेद है -

**<u>मुसीबत में काम आने वाला</u>** मित्र ही सच्चा मित्र होता है ।

(i)संज्ञा पदबंध ii) क्रिया पदबंध
(iii)विशेषण पदबंध iv) सर्वनाम पदबंध

(14). रेखांकित पदबंध का भेद है -

**रोज़ वक़्त पर आने वाले आप** आज लेट कैसे हो गए ?

(i)क्रिया विशेषण पदबंध
(ii)संज्ञा पदबंध
(iii)क्रिया पदबंध
(iv)सर्वनाम पदबंध

(15). निम्नलिखित में मिश्र वाक्य पहचानिए -

(i)महमूद के खेत में गायें चर रही थी इसलिए उसने उन्हें निकाल दिया ।
(ii)जो गायें महमूद के खेत में चर रही थीं, उसने उन्हें निकाल दिया ।
(iii)महमूद के खेत में गायें चर रही थी और उसने उन्हें निकाल दिया ।
(iv)महमूद ने खेत में चरती हुई गायों को खेत से निकाल दिया ।

(16)'वीर देश की शान बढ़ाने के लिए आतुर रहते हैं ।'-वाक्य भेद होगा -

(i)संयुक्त वाक्य
(ii)सरल वाक्य
(iii)मिश्र वाक्य
(iv)विस्मयादिबोधक वाक्य

(17) मज़दूर मेहनत करता है लेकिन उसका लाभ उसे नहीं मिलता ।- वाक्य भेद है -

(i)मिश्र वाक्य
(ii)सरल वाक्य
(iii)संयुक्त वाक्य
(iv)इनमें से कोई नहीं

(18)'जान पड़ता है कि माताजी अस्वस्थ हैं।'- आश्रित उपवाक्य और भेद पहचानिए -

(i)जान पड़ता है, विशेषण आश्रित उपवाक्य
(ii)जान पड़ता है, संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(iii)माताजी अस्वस्थ हैं, क्रिया-विशेषण आश्रित उपवाक्य
(iv)माताजी अस्वस्थ हैं, संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(19)'यज्ञशाला'- समस्त पद का विग्रह होगा -

(i)यज्ञ की शाला
(ii)शाला के लिए यज्ञ
(iii)यज्ञ में शाला
(iv)यज्ञ के लिए शाला

(20) कर्मधारय समास का उदाहरण है -

(i)धीरे-धीरे ii) अनर्थ
(iii)महापुरुष iv) घुड़सवार

(21)'चार हैं भुजाएँ जिसकी' - समस्त पद होगा -

(i)चारभुजाएँ ii) चतुर्भुज
(iii)चार-भुजाएँ iv) भुजचार

(22)'सप्ताह'- समास का नाम है -

(i)तत्पुरुष समास ii) अव्ययीभाव समास
(iii)द्विगु समास iv) द्वंद्व समास

(23)'दीवार खड़ी करना'-मुहावरे का अर्थ है -

(i)चले जाना
(ii)ऊँचाई पर होना
(iii)सब कुछ नष्ट करना
(iv)बाधा उत्पन्न करना

(24) जब प्रतीक्षा बहुत लंबी हो जाती है तो एक-एक क्षण काटना _____ जाता है । उचित मुहावरा होगा -

(i)मुँह चुराना
(ii)मुठभेड़ होना
(iii)पहाड़ होना
(iv)हावी होना

(25) नर्तकी के सुंदर नृत्य को देखकर दर्शक _____ बैठे ।- उचित मुहावरा होगा -

(i)राह न सूझना ii) पापड़ बेलना

(iii)ज़हर लगना iv) सुध-बुध खोना

(26)'भयभीत होना'- इस अर्थ के लिए उचित मुहावरा है -

(i)प्राण सूखना ii) प्राण निकलना

(iii)होश उड़ना iv) उपर्युक्त सभी

## खंड-ग ( पाठ्य पुस्तक) 14 अंक

निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए-

हरि आप हरो जन री भीर ।
द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर ।
भगत कारण रूप नरहरि, धरयो आप सरीर ।
बूढतो गजराज राख्यो, काटी कुंजर पीर ।
दासी मीराँ लाल गिरधर, हरो म्हारी भीर ॥

(27) कृष्ण ने द्रोपदी की लाज कैसे बचाई थी?

(i)उसे दुशासन से छुड़ाकर

(ii)दुशासन को मारकर

(iii)उसे वस्त्र प्रदान करके iv) उसके पक्ष में लड़कर

(28)'नरहरि' रूप धारण कर कृष्ण ने किसकी रक्षा की थी?

(i)मीरा की ii) प्रहलाद की

(iii)हिरण्यकश्यप की iv) द्रोपदी की

(29) कृष्ण ने डूबते हुए हाथी को किससे बचाया?

(i)मगरमच्छ से ii) तूफ़ान से

(iii)शेर से iv) इनमें से कोई नहीं

(30)'भीर '-का क्या अर्थ है?

(i)कपड़ा ii) हृदय

(iii)पीड़ा iv) ईश्वर

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए-

कुछ समय बाद पासा गाँव में 'पशु-पर्व' का आयोजन हुआ। पशु पर्व में हृष्ट-पुष्ट पशुओं के प्रदर्शन के अतिरिक्त पशुओं से युवकों की शक्ति परीक्षा प्रतियोगिता भी होती है। वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं। बाद में नृत्य-संगीत और भोजन का भी आयोजन होता है। शाम से सभी लोग पासा में एकत्रित होने लगे। धीरे-धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और क़रीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं।

(31) तताँरा के गाँव में कौन-सा मेला लगता था?

(i)कुंभ मेला ii) दीप-पर्व
(iii)पशु-पर्व iv) बाल-मेला

(32) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?

(i)वर्ष में कई बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं।
(ii)वर्ष में एक बार पासा गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं।
(iii)वर्ष में एक बार लपाती गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं।
(iv)वर्ष में एक बार सभी गाँव के लोग हिस्सा लेते हैं।

(33) मेले में किसकी शक्ति-परीक्षा होती थी?

(i)पशुओं से युवतियों की
(ii)पशुओं से बच्चों की
(iii)पशुओं से पशुओं की
(iv)पशुओं से युवकों की

(34) मेले के अंत में कौन-सा आयोजन होता है?

(i)नृत्य-संगीत और भोजन का
(ii)प्रदर्शनी का
(iii)नाटक का
(iv)इनमें से कोई नहीं

(35) तताँरा का मन कार्यक्रमों में तनिक न था क्योंकि-

(i)वह नारियल के झुंडों में झाँकना चाहता था।
(ii)वह वामीरो को ढूँढ़ रहा था।
(iii)उसे भूख लग रही थी ।
(iv)उपर्युक्त सभी

निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर उचित विकल्प छाँटकर दीजिए-

मेरी माँ कहती थी, सूरज ढले आँगन के पेड़ों से पत्ते मत तोड़ो, पेड़ रोएँगे। दीया-बत्ती के वक्त फूलों को मत तोड़ो, फूल बद्दुआ देते हैं । दरिया पर जाओ तो उसे सलाम किया करो, वह खुश होता है। कबूतरों को मत सताया करो, वे हज़रत मुहम्मद को अज़ीज़ हैं । उन्होंने उन्हें अपनी मज़ार के नीले गुंबद पर घोंसले बनाने की इज़ाज़त दे रखी है । मुर्गे को परेशान नहीं किया करो, वह मुल्ला जी से पहले मोहल्ले में अज़ान देकर सबको सवेरे जगाता है । ग्वालियर में हमारा एक मकान था, उस मकान के दालान में दो रोशनदान थे । उसमें कबूतर के एक जोड़े ने घोंसला बना लिया था । एक बार बिल्ली ने उचककर दो में से एक अंडा तोड़ दिया । मेरी माँ ने देखा तो उसे दुःख हुआ। उसने स्टूल पर चढ़कर दूसरे अंडे को बचाने की कोशिश की । लेकिन इस कोशिश में दूसरा अंडा उसी के हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फडा रहे थे। उनकी आँखों में दुःख देखकर मेरी माँ की आँखों में आँसू आ गए । वे इस गुनाह को खुदा से मुआफ़ करने की दुआ माँगती रहीं ।

(36) लेखक की माँ सूरज ढलने पर क्या करने को मना करती है?

(i)खाना खाने को
(ii)बाहर जाने को
(iii)आँगन के पेड़ से पत्ते तोड़ने को
(iv)बाहर खड़े होने को

(37) लेखक की माँ दरिया को क्या करने को कहती है?

(i)साफ़ करने को
(ii)देखने को
(iii)सलाम करने को
(iv)उपर्युक्त सभी

(38) दूसरा अंडा किसकी गलती से टूटा?

(i)बिल्ली ii) लेखक

(iii)लेखक की माँ iv) कबूतर

(39) लेखक का घर किस शहर में था?

(i)दिल्ली ii) ग्वालियर

(iii)जयपुर iv) जबलपुर

(40) कबूतर इधर-उधर क्यों फड़फडा रहे थे?

(i)दोनों अंडे टूट जाने के कारण

(ii)ठण्ड के कारण

(iii)दाना न मिलने के कारण

(iv)इनमें से कोई नहीं

**********